



जन्म देना

- ✎ LIDA Norge
- 👤 Sara Dorthea Johannesen
- 💬 Pratibha Singh
- 📊 4
- 🗣️ हिन्दी hi



सेलामाविते 29 साल की है। उसने अपने पहले बच्चे को इरिट्रिया में जन्म दिया। उसको और उसके परिवार को वहाँ मुश्किल समय झेलना पड़ा, इसलिए उन्होंने इटली जाने का निर्णय किया।



इंगा ने 19 साल की होने से कुछ समय पहले ही अपना घर छोड़ दिया। वह नॉर्वे चली गई और उसने वहाँ अपने पहले बच्चे को जन्म दिया।



जब सेलामाविते अपने दूसरे बच्चे के लिए गर्भवती हुई, तो उसने सोचा कि दूसरे देश में बच्चे को जन्म देना कैसा होगा।



सेलामाविते और इंगा विभिन्न पृष्ठभूमि से आते हैं। सेलामाविते सुरक्षित महसूस करती थी क्योंकि उसे जन्म देने का अनुभव था। इंगा ने अपनी माँ से जन्म देने के बारे में बात की।



दोनों महिलाओं ने सुना था कि अधिकांश यूरोपीय देशों में गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल का अधिकार है। इसका मतलब है कि उन्हें गर्भावस्था के दौरान मदद मिलेगी। जैसे ही उसे पता चला कि वह गर्भवती है, सेलामावित ने अपने डॉक्टर से मिलने का समय लिया। सेलामावित का पति उसे डॉक्टर के पास ले गया।



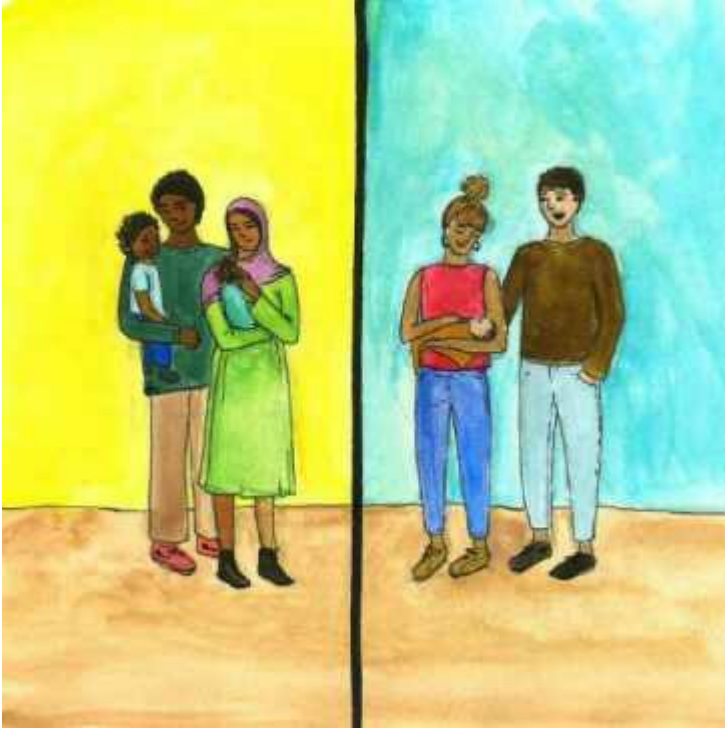
डॉक्टर ने कुछ परीक्षण किए और पता चला कि सेलामाविति को एक प्रकार का मधुमेह था जो कुछ गर्भवती महिलाओं को होता है। उसे स्वस्थ भोजन और व्यायाम करना था। सेलामाविति खुश थी कि अपने बच्चे के बीमार होने से पहले ही वह डॉक्टर के पास चली गई थी।



जब इंगा के पड़ोसी ने सुना कि वह बच्चा पैदा करने की सोच रही है, तो उस पड़ोसी ने उसे गर्भवती होते ही डॉक्टर को दिखाने के लिए कहा। इस तरह वह सुनिश्चित कर सकती थी कि वह और उसका बच्चा स्वस्थ हैं। डॉक्टर ने उसे फ़ॉलिक एसिड लेने के लिए कहा, जो गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण विटामिन है।



इंगा और उसके डॉक्टर ने सहमति व्यक्त की कि वह अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित जाँच के लिए एक दाई से मिलेगी। दाई ने उसे भोजन और आराम के बारे में सलाह दी, और खुद को और अपने बच्चे को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने के बारे में जानकारी दी।



दोनों महिलाओं ने स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। सेलामाविति को एक और बेटा मिला, जबकि इंगा को एक बेटी। उनके पति बहुत गर्व महसूस कर रहे थे, और उन्होंने सभी को बताया कि उन्हें अपनी सबल पत्नियों और स्वस्थ बच्चों के बारे में पता था।



LIDA Stories

lidastories.net

जन्म देना



LIDA Norge



Sara Dorthea Johannesen



Pratibha Singh

